फियोना की किस्मत

टेरेसा बेटमैन

फियोना की किस्मत

टेरेसा बेटमैन

एक ज़माना था जब आयरलैंड में किस्मत, धूप की तरह मुफ़्त थी और भरपूर तादाद में मिलती थी, और इसका श्रेय लेप्रेचुन को था. पर अब लालची लेप्रचुन राजा ने एक जादू से किस्मत को ताले में बंद कर दिया था. किस्मत के बिना पूरा देश मायूस हो गया था.

तब आयरलैंड में फियोना नाम की एक लड़की रहती थी. उसे पता था कि लेप्रेचुन से भाग्य वापिस छीनना कोई आसान काम नहीं होगा. लेप्रचुन राजा से भाग्य प्राप्त बहुत मुश्किल और पेचीदा काम था. लेकिन फियोना चतुर थी - और कभी-कभी एक लड़की को चतुराई के अलावा और किसी चीज़ की जरूरत नहीं पड़ती है.

एक बार आयरलैंड में किस्मत धूप जैसे ही मुफ़्त में और भरपूर मिलती थी. किस्मत, हवा में तैरती थी और जिसे जितनी जरूरत पड़ती वो उतनी ले सकता था. यह काफी हद तक लेप्रेचुन के कारण था, क्योंकि जैसे गायें दूध दूध बनाती हैं वैसे ही लेप्रेचुन बौने किस्मत बनाते थे.

फिर आयरलैंड में बड़े आकार वाले लोग पहुंचे. वे इतने बड़े थे कि वे जहाँ भी जाते थे किस्मत उनके साथ चिपक जाती थी.

"अब हमें कुछ तो करना पड़ेगा?" लेप्रेचुन राजा ने कहा. "हम उन विशाल लोगों को अपनी सब किस्मत तो दे नहीं सकते. फिर हमारे लिए क्या बचेगा?

फिर राजा के आदेश के बाद लेप्रेचुन ने सुनहरे धागों के जादुई जाल बुने. गर्मियां आने से पहले जब किस्मत अपनी चरम पर थी, तब उन्होंने जालों के ज़रिए सारी किस्मत इकट्ठा की और उसे राजा के सिंहासन के पास एक बाँझ की लकड़ी के मज़बूत संदूक में रख दिया, ताकि राजा जहां और जब चाहे, उस किस्मत को बांट सके.

लेकिन लेप्रेचुन ने बड़ा पुख्ता काम किया. उन्होंने हवा में बहती हुई सब किस्मत को इकट्ठा किया.

उससे आयरलैंड देश बड़ी मुसीबत में पड़ गया. मुर्गियों ने अंडे देने बंद कर दिए और गायों ने दूध देना छोड़ दिया. आलू, जमीन में सड़ने लगे.

तब आयरलैंड में फियोना नाम की एक लड़की रहती थी. वो यह जानती थी कि किस्मत की कमी लेप्रेचुन का काम ही होगा. इसलिए केवल लेप्रेचुन ही उसके "देश के भाग्य को बहाल कर सकते थे."

लेकिन किस्मत को लेप्रेचुन से वापस पाना पत्थर से पानी निचोड़ने जैसा था. ऐसा नहीं था कि वो काम एकदम असंभव था, लेकिन उसके लिए आपको अपनी क्षमता से अधिक ताकत चाहिए होती. वैसे कभी-कभी चतुराई, ताकत से अधिक मूल्यवान होती है.

इसलिए फियोना ने अपने आखिरी पैसों से एक गाय और कुछ मुर्गियां खरीदीं. हर रोज सुबह-शाम वो उस गाय को खलिहान में ले जाती. जब वो बाहर निकलती तो वो दो बाल्टियों में कचरा भरकर ऊपर से सफेद चूने का पानी भर देती थी.

"हाँ, वो एक बहुत अच्छी गाय है," फियोना हर पूछने वाले से कहती. " इतना दूध देने वाली गाय को पाकर मैं बड़ी भाग्यशाली हूँ."

जल्द ही अफवाहें फैलना शुरू हुईं - जबकि अन्य लोगों के पास किस्मत की कमी थी, फियोना के पास किस्मत का ढेर था.

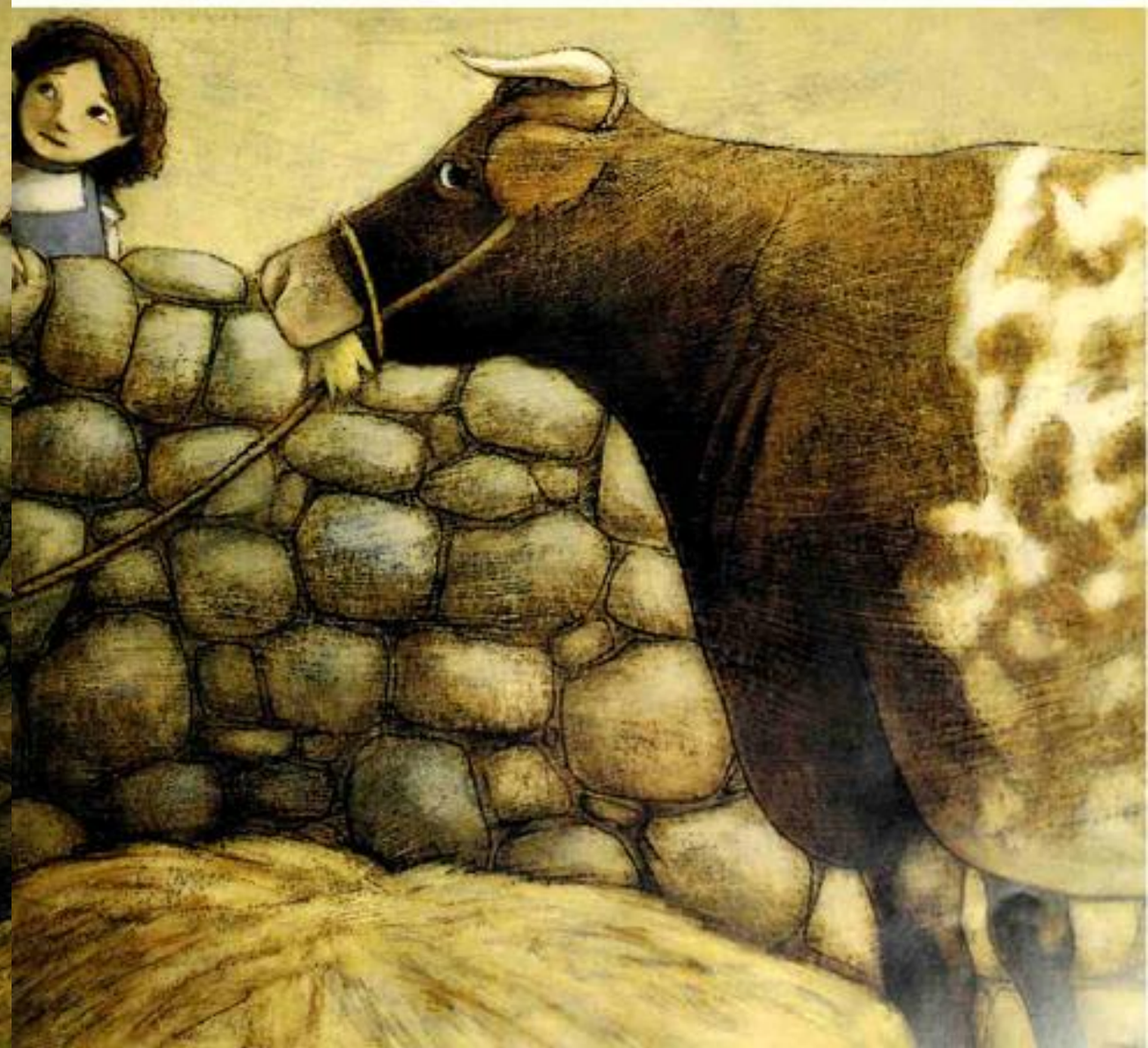

हर सुबह फियोना मुर्गियों के दबड़े में जाती और फिर अपनी ढकी और उभरी हुई टोकरी के साथ बाहर आती.

"मेरी मुर्गियाँ काफी संतुष्ट हैं," उसने अपने पड़ोसियों से कहा. "मैं भाग्यशाली हूँ कि वो मेरे पास हैं."

जल्द ही सब ओर अफवाहें फैलीं- जबकि अन्य लोगों के पास किस्मत की कमी थी, फियोना के पास भरपूर किस्मत थी.

फिर फियोना ने अपने बगीचे में खुदाई शुरू की और अपने व्हील-बैरो को गोल, मिट्टी की गांठों से भरा.

"वैसे आलू के लिए यह एक अच्छा साल नहीं है," फियोना ने सभी गुजरने वाले लोगों से कहा. "फिर भी, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे पर्याप्त मात्रा में आलू मिले हैं."

अब अफवाहों को पंख लग गए - जबकि अन्य लोगों के पास भाग्य की कमी थी, फियोना के पास ठेला भर कर किस्मत थी.

जल्द ही फिओना की खुशकिस्मती की खबर लेप्रेचुन राजा तक पहुंची.

एक दिन जब फियोना एक हरे घास के मैदान में घूम रही थी तब उसने अचानक अपने आप को छोटे बौनों की एक भीड़ से घिरा पाया. एक क्षण में उन्होंने उसकी स्कर्ट को पकड़ लिया और वो एक घेरे में गोल-गोल घूमने लगे. फिओना स्कर्ट को अपने घुटनों पर लिपटने से रोकने के लिए मुड़ी, और जैसे ही वह मुड़ी, उसकी आँखों के सामने का नज़ारा धुंधला हो गया. जब उसकी दृष्टि साफ़ हुई तो फियोना ने खुद को पृथ्वी के नीचे लेप्रचुन राजा के सिंहासन कक्ष में पाया.

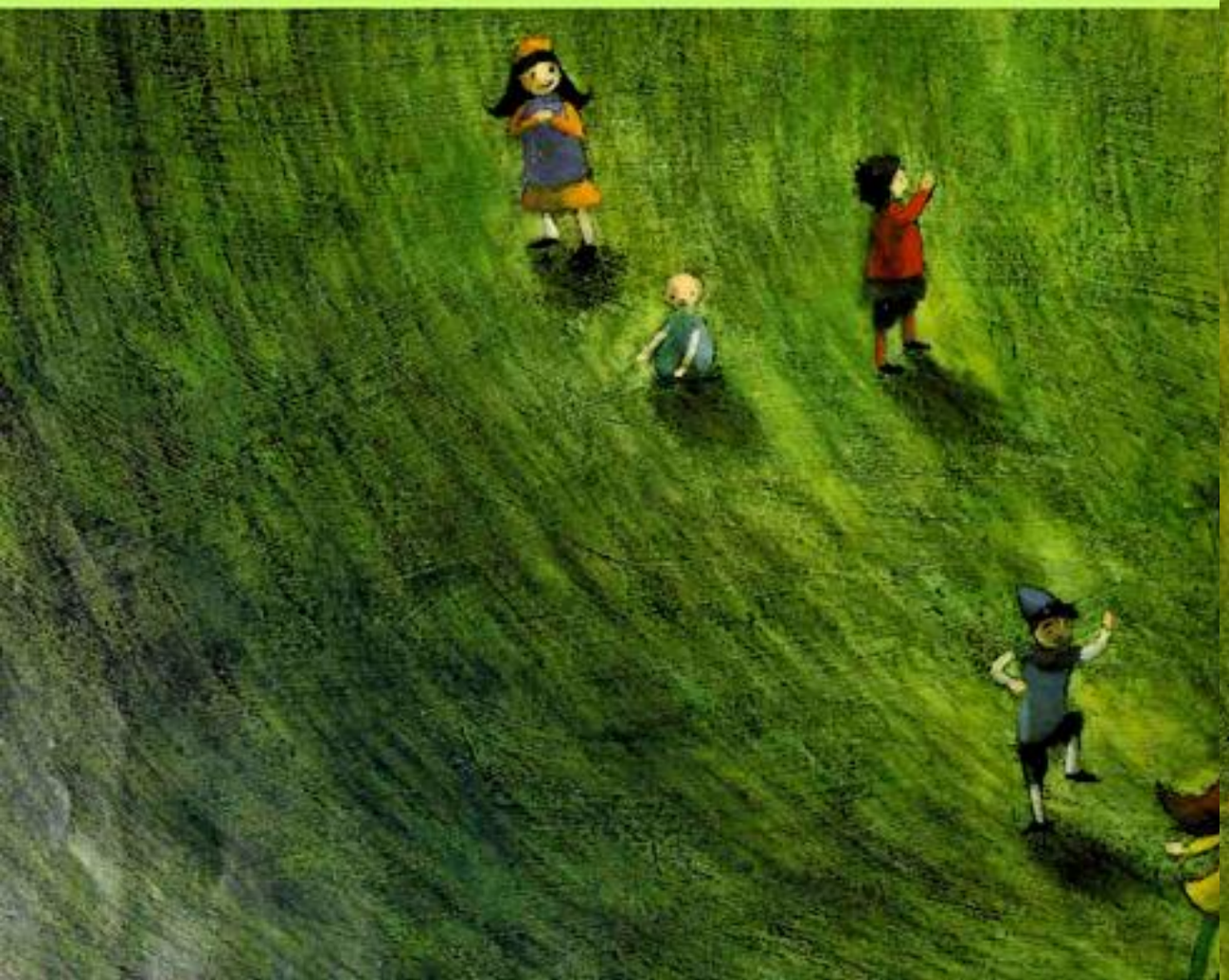

वो एक शानदार गुफा थी, जिसमें ऊंची ग्रेनाइट की दीवारों से महंगी टेपेस्ट्री लटकी हुई थीं, और फर्श पूरी तरह से गहनों से सजा था. मशालों और मोमबत्तियों की रोशनी से सब कुछ चमक रहा था, और मधुर संगीत बज रहा था.

फियोना के सामने सिंहासन था, और सिंहासन पर लेप्रेचुन राजा बैठा था.

राजा ने फिओनो की ओर इशारा किया.

फियोना ने चारों तरफ देखा. उसकी आँखें कमरे में गायब किस्मत को खोज रही थीं. फिओना को इतना पक्का पता था कि राजा ने किस्मत को ज़रूर अपने बहुत ही करीब रखा होगा. जैसे ही फिओना ने राजा का अभिवादन किया उसे बाँझ की लकड़ी का बना संदूक दिखाई दिया. संदूक अभी भी थोड़ा चमक रहा था - क्योंकि उस जादू के संदूक को किसी मंत्र से ही सीलबंद किया जा सकता था. हरेक कोई जानता था कि कोई भी ताला लंबे समय तक भाग्य को बंद नहीं रख सकता था.

"आप मुझसे क्या चाहते हैं?" फियोना ने विनम्रता से पूछा.

राजा चौक गया. "तुम्हें वो सब किस्मत कहाँ से मिल रही है? तुम्हें वो कौन दे रहा है और क्यों?" राजा ने मांग की.

फियोना की आँखें मासूमियत से चौड़ी हो गईं. "मेरे पास कोई भाग्य नहीं है," उसने साफ़-साफ़ कहा. "सच में, यहाँ पर मुझे लेप्रचुन बंदी बना कर लाए हैं. यदि आप इसे भाग्य मानते हैं, तो आप उसे ले सकते हैं."

"तो, तुम दावे के साथ कह सकती हो तुम्हारे पास कोई भाग्य नहीं है?" राजा ने भौंहें उठाते हुए पूछा. "ठीक है, मैं इसका परीक्षण करूंगा. और यदि यह साबित हुआ कि तुमने मुझ से झूठ बोला है, तो तुम्हारे पास जो भी भाग्य है, मैं उसे छीन लूंगा और उसे बाकी किस्मत के साथ रख दूंगा." फिर राजा की आँखों ने अपने लकड़ी के संदूक को निहारा.

फियोना थोड़ा गुस्सा हुई. "यह मेरे लिए एक खेदजनक सौदा है," उसने कहा, "लेकिन मैं नियमों को समझती हूं. यदि मैं परीक्षण में हारती हूँ तो मुझे ज़रूर कोई जुर्माना देना होगा. पर क्योंकि मैंने झूठ नहीं बोला है, और अगर मेरा सच साबित होता है तो आपको मेरी एक इच्छा पूरी करनी होगी."

राजा ने अपनी आंखें तिरछी कीं. "मंज़ूर है," उसने धूर्तता से कहा. "अगर परीक्षण मुझे गलत साबित करता है तो मैं तुम्हें तुम्हारी मांगी चीज़ दूंगा."

फियोना को पता था कि उसे धोखा दिया जा रहा है. फिर भी एक बुद्धिमान लड़की एक लेप्रचुन राजा की चतुराई को उसके ही खिलाफ उपयोग कर सकती थी. फिओना ने लकड़ी के मज़बूत संदूक पर नज़र डाली और फिर मुस्कुराते हुए अपना सिर हिलाया.

उससे समझौता पूरा हुआ. फिर राजा के इशारे पर उनका जादूगर एक मेज लाया और उसने उस पर तीन सुंदर सीपी रखीं. एक सीपी के नीचे उसने सोने का एक छोटा सिक्का छिपाया. फिर उसने सीपियों को इतनी तेज़ी से घुमाया कि कोई भी मानवीय आंख उसे देख नहीं सकती थी.

"अब," राजा ने कहा. "सोना कहां है:" फिओना के सही चुनने की, एक-तिहाई सम्भावना थी, और अच्छी किस्मत वाले व्यक्ति को हर बार सोना मिलता. थोड़े कम भाग्य वाले व्यक्ति को भी कभी-कभार सोना मिलता. हालांकि उन्होंने बार-बार वो खेल खेला, लेकिन फियोना कभी भी सोने का सिक्का पता नहीं लगा सकी. ऐसा लगा जैसे उसकी किस्मत ही फूटी थी.

"एक अन्य परीक्षा," राजा ने आदेश दिया.

फिर एक लेप्रचुन वीणा को उसके सामने लाया गया. अब, लेप्रेचुन वाद्ययंत्र, बजाने वाले के भाग्य के आधार पर संगीत बनाते हैं. अच्छे भाग्य वाले व्यक्ति केवल कुछ तारों को हिलाकर अच्छी धुन निकाल पाते हैं. यहां तक कि बहुत कम भाग्य वाला इंसान एक तार को हिलाकर कोई साधारण राग निकाल सकता है. लेकिन फियोना के हाथों में तार बिल्कुल बेकार हो गए. फिओना ने चाहे जितनी भी बार तारों को हिलाया, झंकारा, वाद्ययंत्र में से सिर्फ शोर ही बाहर निकला.

राजा काँप उठा और उसका मुँह तमतमाने लगा. क्या उसने गलती की थी? शायद आखिरी परीक्षा उसे सही साबित करे.

"शतरंज का सेट बाहर लाओ!" राजा ने आदेश दिया.

अब राजा और फियोना शतरंज में एक-दूसरे का सामना कर रहे थे. राजा ने अपनी प्रारंभिक चाल चली. कोई भी लेप्रचुन राजा को हराने की आशा नहीं कर सकता था, क्योंकि वो भाग्य से लबालब था. अच्छी किस्मत वाला व्यक्ति उसके खिलाफ कुछ समय तक टिक सकता था. और थोड़ी किस्मत वाला व्यक्ति शायद दो-चार अच्छी चालें चल सकता था.

राजा ने खुद हारने की पूरी कोशिश की लेकिन उसके बावजूद फियोना दो मिनट के भीतर बुरी तरह हार गई.

राजा ने बड़ी हैरानी से फिओना को देखा. "तुम्हारी कोई किस्मत नहीं है!" उसने ऐलान किया. "लेकिन फिर दूध, अंडे, और आलू तुम्हें कैसे मिले?"

फियोना ने आह भरी. "अगर मैं अपने दूध की बाल्टी को चूने के पानी से भरूँ, या अंडे की टोकरी को चीड़ (पाइन) के कोन्स से, या अपने व्हील-बैरो को पत्थरों से भरूँ, तो निश्चित रूप से यह मेरा अपना धंधा है. मैंने कहा कि मेरे पास कोई भाग्य नहीं है, और मैं झूठ नहीं बोली. अब मेरी मर्ज़ी की चीज़ मुझे दो और फिर मुझे घर जाने दो."

राजा ने धीरे से सिर हिलाया. "सच में, मैंने तुम्हें एक इच्छा देने वादा किया था, लेकिन तुम्हारे पास जितनी किस्मत थी, उसका उतना ही मूल्य होना चाहिए. क्योंकि तुमने अभी साबित किया कि तुम्हारे पास कोई भाग्य नहीं था इसलिए अब तुम कुछ भी नहीं मांग सकती हो!"

राजा अपने तर्क की चतुराई पर मुस्कुराया, क्योंकि उसका तर्क लेप्रचुन कानून की सीमाओं के भीतर था. लेकिन तभी उसकी मुस्कान डगमगाने लगी - क्योंकि फियोना भी मुस्कुरा रही थी!

"तो मैं कोई भी इच्छा नहीं मांग सकती हूँ?" उसने पूछा.

राजा ने कुछ उलझन में अपना सिर हिलाया.

"फिर मुझे एक छेद की इच्छा है," फियोना ने बात ज़ारी राखी. "एक छेद कुछ भी नहीं होता है, और वही मेरी इच्छा का मूल्य है - कुछ नहीं. मैं एक ऐसा छेद चाहती हूं, जो हमेशा छेद ही बना रहे और मैं चाहती हूं कि वो छेद उस लकड़ी संदूक के ढक्कन में हो!"

फिर फिओना ने सिंहासन के पास रखे बाँझ की लकड़ी के बने भाग्य के संदूक की ओर इशारा किया.

एक इच्छा जो सही तरीके से अर्जित की गई हो, उसे कभी अस्वीकार नहीं किया सकता है. तुरंत संदूक में एक छेद दिखाई दिया, और उसमें से भाग्य बाहर निकलकर भागने लगा.

राजा क्रोध से तमतमाने लगा, लेकिन अब वो भला क्या कर सकता था? उसने एक वादा किया था जिसे उसे निभाना ही था. राजा ने गुस्से में अपना हाथ लहराया जिससे फियोना भँवर में घूमी. जब उसने आँखें खोलीं, तो वो घास के मैदान में थी और सूरज पहाड़ियों में से उग रहा था. अगर आज धूप में एक अतिरिक्त चमक थी, और घास पहले की तुलना में ज़्यादा हरी-भरी थी, तो उसकी उम्मीद वाज़िब थी.

और यही कारण है कि, उस दिन से आज तक, आपको आयरलैंड के आसपास घूमती हुई कुछ किस्मत ज़रूर मिलेगी. क्योंकि संदूक में अभी भी छेद है और राजा अपने वचन से मुकर नहीं सकता है.

लेकिन जहाँ तक फियोना की बात है उसने खुद से कहा, "वैसे किस्मत अच्छी चीज़ है, लेकिन मैं अपनी होशियारी पर ही निर्भर रहूंगी."

समाप्त